Drishti IAS

करेंट अफेयर्स झारखंड

अक्तूबर 2024

(संग्रह)

Drishti, 641, First Floor, Dr. Mukharjee Nagar, Delhi-110009
Inquiry (English): 8010440440, Inquiry (Hindi): 8750187501
Email: help@groupdrishti.in

अनुक्रम

झारखंड **3**

- झारखंड विधानसभा चुनाव, 2024 3
- चक्रवात दाना का झारखंड पर प्रभाव 3
- राज्य का वित्तीय परिदृश्य 4

नोट :

झारखंड

झारखंड विधानसभा चुनाव, 2024

चर्चा में क्यों?

भारत निर्वाचन आयोग ने हाल ही में 2024 के झारखंड विधानसभा चुनाव के लिये मतदान कार्यक्रम की घोषणा की, जो नवंबर में दो चरणों में होगा और परिणाम **23 नवंबर** को घोषित किये जाएंगे।

मुख्य बिंदु

- **प्रथम चरण (13 नवंबर) में मतदान वाले निर्वाचन क्षेत्र:**
  - प्रमुख निर्वाचन क्षेत्रों में कोडरमा, हज़ारीबाग, जमशेदपुर पूर्व, रांची, खूँटी (ST), और डाल्टनगंज शामिल हैं।
  - 43 निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान होगा, जिनमें ST और SC सीटों की संख्या काफी अधिक है।
- **द्वितीय चरण (20 नवंबर) में मतदान वाले निर्वाचन क्षेत्र :**
  - इसमें राजमहल, दुमका (ST), देवघर (SC), धनबाद, बोकारो और रामगढ़ शामिल हैं।
  - 38 निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान होगा, जिसमें विविध क्षेत्र और सामाजिक संरचना शामिल होगी।
- चुनाव सभी **81 निर्वाचन क्षेत्रों** को शामिल करेंगे, जिनमें **44 सामान्य, 9 SC और 28 ST सीटें** शामिल हैं, जिससे वर्ष 2025 की शुरुआत तक नई सरकार के गठन का मंच तैयार हो जाएगा।

भारत निर्वाचन आयोग

- **भारत का निर्वाचन आयोग (ECI)** एक स्वायत्त संवैधानिक प्राधिकरण है जो भारत में संघ और राज्य चुनाव प्रक्रियाओं के प्रशासन के लिये ज़िम्मेदार है।
- इसकी स्थापना संविधान के अनुसार 25 जनवरी 1950 को (**राष्ट्रीय मतदाता दिवस** के रूप में मनाया जाता है) की गई थी। आयोग का सचिवालय नई दिल्ली में है।
- यह निकाय भारत में **लोकसभा**, **राज्यसभा** और **राज्य विधानसभाओं** तथा देश में **राष्ट्रपति** और **उपराष्ट्रपति** के पदों के लिये होने वाले निर्वाचनों का संचालन करता है।
- इसका राज्यों में **पंचायतों** और **नगरपालिकाओं** के निर्वाचनों से कोई संबंध नहीं है। इसके लिये भारत के संविधान में अलग से **राज्य निर्वाचन आयोग** का प्रावधान है।

चक्रवात दाना का झारखंड पर प्रभाव

हाल ही में **चक्रवात दाना के कारण पूर्वी भारत, विशेषकर झारखंड में** महत्त्वपूर्ण व्यवधान उत्पन्न होने की आशंका है, जिसके कारण कई आपातकालीन उपाय लागू किये जा रहे हैं।

मुख्य बिंदु

- **भारी वर्षा और बाढ़ का खतरा:** **भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (IMD)** ने झारखंड में **24 से 25 अक्तूबर, 2024** तक भारी वर्षा का अनुमान लगाया है, जिससे बाढ़ की आशंका बढ़ गई है, खासकर संवेदनशील निचले इलाकों में।
- **परिवहन में व्यवधान:** झारखंड सहित पूर्वी भारत के कुछ हिस्सों में रेल सेवाएँ बुरी तरह प्रभावित हुई हैं तथा प्रतिकूल मौसम की स्थिति के दौरान यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिये एहतियाती उपाय के रूप में **150 से अधिक रेलगाड़ियाँ रद्द कर दी गई हैं।**

- **NDRF और SDRF की तैयारी:** राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (NDRF) और राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (SDRF) की टीमें हाई अलर्ट पर हैं और आपात स्थिति में त्वरित तैनाती के लिये तैयार हैं।
- **मछुआरों और तटीय गतिविधियों के लिये सलाह:** IMD ने मछुआरों के लिये सख्त चेतावनी जारी की है और बंगाल की खाड़ी में न जाने की सलाह दी है। **100-110 किमी./घंटा तक पहुँचने वाली तेज़ हवा की गति** तटीय और आस-पास के क्षेत्रों को प्रभावित कर सकती है, जिससे मछली पकड़ने और समुद्री गतिविधियों पर निर्भर स्थानीय अर्थव्यवस्थाएँ प्रभावित हो सकती हैं।
- **निकासी और सार्वजनिक सुरक्षा चेतावनियाँ:** अधिकारी संभावित निकासी के लिये तैयारी कर रहे हैं, खासकर उन क्षेत्रों में जहाँ चक्रवात का प्रभाव गंभीर हो सकता है। यह सुनिश्चित करने के लिये सार्वजनिक सलाह जारी की जाती है कि निवासियों को चक्रवात के गुज़रने के दौरान सुरक्षा प्रोटोकॉल के बारे में पता हो।

चक्रवात दाना

- **उद्भव:** यह उत्तरी हिंद महासागर क्षेत्र में बनने वाला तीसरा चक्रवात है और वर्ष 2024 में भारतीय तट पर चक्रवात रेमल के बाद आने वाला दूसरा चक्रवात है।
- यह मानसून बाद के चक्रवाती मौसम का पहला चक्रवात है ।
- **दाना का नामकरण:** विश्व मौसम विज्ञान संगठन (WMO) का कहना है कि चक्रवात दाना का नाम कतर ने रखा था। अरबी में, "दाना" का अर्थ है 'उदारता' और इसका अर्थ है 'सबसे सही आकार का, मूल्यवान और सुंदर मोती'।

राज्य का वित्तीय परिदृश्य

चर्चा में क्यों?

हाल ही में झारखंड में विधानसभा चुनावों की गतिविधियाँ बढ़ गई हैं, जिसमें सत्ताधारी और विपक्षी दोनों गठबंधन मतदाताओं का समर्थन प्राप्त करने हेतु आर्थिक योजनाओं की शुरुआत कर रहे हैं।

मुख्य बिंदु

- **राजस्व सृजन:**
  - झारखंड **अपनी** राजस्व प्राप्तियों का केवल **30.8%** ही स्वयं के कर संग्रह से प्राप्त करता है, जिससे उसे केंद्र सरकार के आबंटन पर निर्भरता बना रहती है।
- **पेंशन योजनाएँ:**
  - राज्य ने एकीकृत पेंशन योजना का विस्तार किया है, जिसके तहत हाशिये पर स्थित समूहों **(दलितों, आदिवासियों और महिलाओं)** के लिये पात्रता की आयु **60 वर्ष से घटाकर 50 वर्ष** कर दी गई है।
  - सरकार केंद्रीय पेंशन निधि में 240.4 करोड़ रुपए जोड़कर यह सुनिश्चित करती है कि प्रत्येक लाभार्थी को **मासिक 1,000 रुपए प्राप्त हुए।**
- **प्रतिबद्ध व्यय:**
  - **वित्त वर्ष 24 में झारखंड की राजस्व प्राप्तियों का एक तिहाई** से अधिक हिस्सा **वेतन, पेंशन और ब्याज भुगतान में चला गया,** जिससे विकास परियोजनाओं के लिये राजकोषीय समुत्थानशीलता सीमित हो गई।
- **पूँजीगत व्यय केंद्र:**
  - झारखंड ने पूँजीगत व्यय को प्राथमिकता देने का निर्णय लिया है, जिसका उद्देश्य वित्त वर्ष 2025 में अपने **GSDP को 7.89%** तक पहुँचाना है, जो कि **वित्त वर्ष 2015 के 2.91%** की तुलना में एक महत्त्वपूर्ण वृद्धि है।
  - राज्य का **पूँजीगत व्यय GSDP अनुपात** कई राज्यों की तुलना में अधिक है, जो **वित्त वर्ष 24 में हाल ही में 7.57% रहा,** जो राष्ट्रीय औसत लगभग 4.9% से काफी अधिक है।

नोट :

- उच्च पूँजीगत व्यय से ऐसी परिसंपत्तियों के सृजन में सहायता मिलती है जो वर्तमान वित्तीय बाधाओं के बावजूद दीर्घकालिक विकास को बढ़ावा दे सकती हैं।

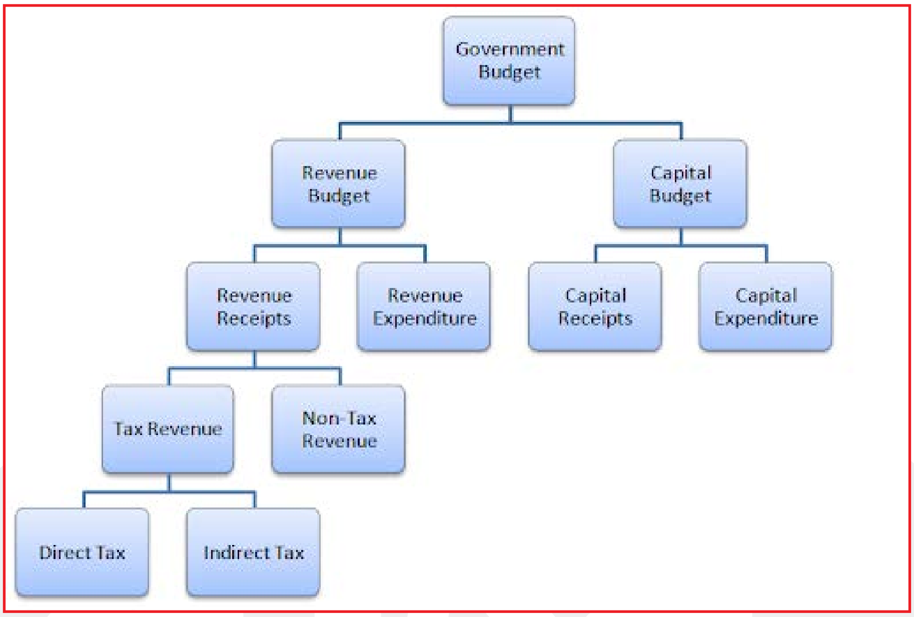

- **राजकोषीय अधिशेष और ऋण चुनौतियाँ**
  - झारखंड वित्त वर्ष 2015 और वित्त वर्ष 2021 में कोविड-19 महामारी को छोड़कर अधिकांश वर्षों में **राजस्व अधिशेष** में रहा है, जिससे राजकोषीय घाटा 2% (**वित्त वर्ष 2021 में 5.2%** के उच्च स्तर से नीचे) बना रहा।
- **ऋण से GSDP अनुपात:**
  - झारखंड का **ऋण से GSDP अनुपात वित्त वर्ष 21 में 36%** के उच्चतम स्तर पर पहुँच गया और वित्त वर्ष 25 के लिये लगभग 27% अनुमानित उच्च स्तर पर बना हुआ है, हालाँकि पिछले अनुमानों को संशोधित कर ऊपर की ओर बढ़ाया गया है।
  - भारतीय रिज़र्व बैंक ने झारखंड को उच्चतम ऋण से GSDP अनुपात वाले शीर्ष 10 राज्यों में स्थान दिया है, जो दीर्घकालिक ऋण स्थिरता पर चिंताओं को उजागर करता है।
- **आर्थिक संकेतक और सामाजिक चुनौतियाँ**
  - **बेरोज़गारी:** झारखंड में बेरोज़गारी दर अपेक्षाकृत कम 1.3% (2023-24) है, जो राष्ट्रीय औसत 3.2% से काफी कम है।
  - **गरीबी का स्तर:** झारखंड उच्च बहुआयामी गरीबी का सामना कर रहा है, जहाँ 28% निवासी अभाव का अनुभव कर रहे हैं, जो **बिहार (33.7%) के बाद दूसरे स्थान पर है।**
- **मुद्रा स्फीति:**
  - **समग्र मुद्रास्फीति:** वित्तीय वर्ष की पहली छमाही में घटकर 3.8% हो गई, जो राष्ट्रीय दर 4.6% से कम है।
  - **खाद्य मुद्रास्फीति:** सितंबर में बढ़कर 8.9% हो गई, जो **राष्ट्रीय 8.4% से अधिक है, जबकि** अप्रैल से सितंबर तक औसत खाद्य मुद्रास्फीति **दर 6.7% थी,** जो अभी भी राष्ट्रीय प्रवृत्ति से कम है।
  - **निष्कर्ष:** झारखंड विधानसभा चुनाव के समीप आते ही, सत्ताधारी गठबंधन और विपक्षी गठबंधन दोनों ही वित्तीय चुनौतियों, गरीबी और महँगाई के दबावों के संदर्भ में, मतदाताओं को आकर्षित करने हेतु प्रतिस्पर्द्धात्मक सामाजिक कल्याण और आर्थिक योजनाओं में सक्रिय हैं।

✦ ✦ ✦ ✦

नोट :